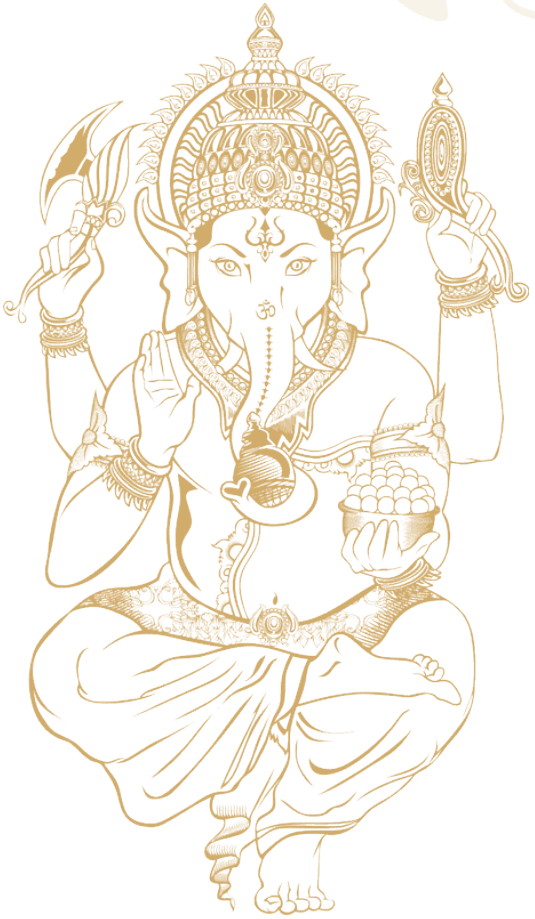

Mr.yash

13 Dec 2004

12:30 AM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119631603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12-13/12/2004**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**00:30:00 घंटे**
इष्ट	43:20:24 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:55:08 घंटे
वेलान्तर	00:06:11 घंटे
साम्पातिक काल	05:22:23 घंटे
सूर्योदय	07:09:50 घंटे
सूर्यास्त	17:47:41 घंटे
दिनमान	10:37:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	27:10:59 वृश्चिक
लग्न के अंश	27:31:41 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	गण्ड
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:31:41	327:39:15	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	27:10:59	01:01:02	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	07:32:25	15:14:16	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			तुला	27:17:18	00:40:46	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध	व	अ	वृश्चि	21:25:27	01:14:59	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु			कन्या	21:05:36	00:08:23	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	01:10:59	01:14:47	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	सम राशि
शनि	व		कर्क	02:20:59	00:03:33	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	05:24:56	00:03:11	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	05:24:56	00:03:11	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
हर्ष			कुंभ	09:21:20	00:01:33	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:21:07	00:01:34	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	28:05:03	00:02:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			वृष	27:26:04	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:25

लग्न-चलित

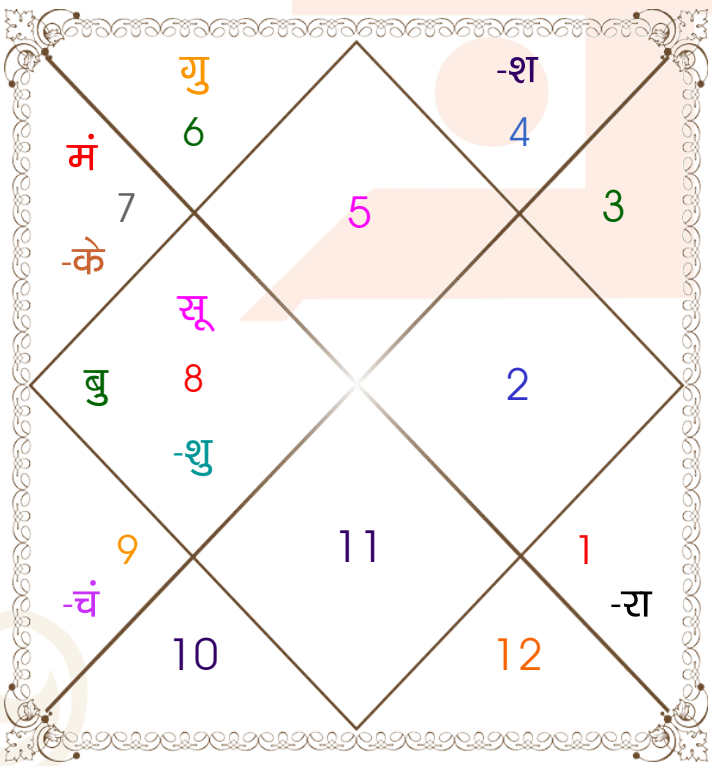

चन्द्र कुंडली

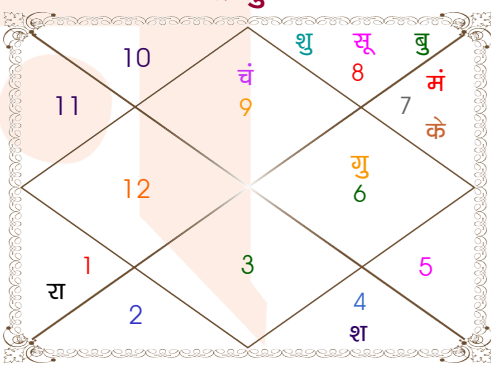

नवमांश कुंडली

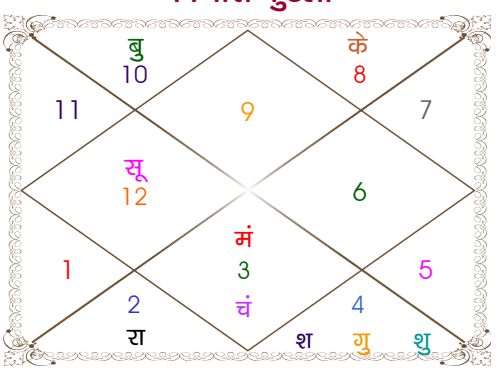

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 0 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
13/12/2004		28/12/2007		28/12/2027		28/12/2033		28/12/2043	
28/12/2007		28/12/2027		28/12/2033		28/12/2043		28/12/2050	
	00/00/0000	शुक्र	29/04/2011	सूर्य	16/04/2028	चंद्र	28/10/2034	मंगल	26/05/2044
	00/00/0000	सूर्य	28/04/2012	चंद्र	16/10/2028	मंगल	29/05/2035	राहु	13/06/2045
	00/00/0000	चंद्र	28/12/2013	मंगल	20/02/2029	राहु	27/11/2036	गुरु	20/05/2046
	00/00/0000	मंगल	27/02/2015	राहु	15/01/2030	गुरु	29/03/2038	शनि	29/06/2047
	13/12/2004	राहु	27/02/2018	गुरु	03/11/2030	शनि	28/10/2039	बुध	25/06/2048
राहु	15/12/2004	गुरु	28/10/2020	शनि	16/10/2031	बुध	29/03/2041	केतु	21/11/2048
गुरु	21/11/2005	शनि	28/12/2023	बुध	22/08/2032	केतु	28/10/2041	शुक्र	21/01/2050
शनि	31/12/2006	बुध	28/10/2026	केतु	28/12/2032	शुक्र	29/06/2043	सूर्य	29/05/2050
बुध	28/12/2007	केतु	28/12/2027	शुक्र	28/12/2033	सूर्य	28/12/2043	चंद्र	28/12/2050

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
28/12/2050		28/12/2068		28/12/2084		29/12/2103		29/12/2120	
28/12/2068		28/12/2084		29/12/2103		29/12/2120		00/00/0000	
राहु	09/09/2053	गुरु	15/02/2071	शनि	31/12/2087	बुध	27/05/2106	केतु	27/05/2121
गुरु	03/02/2056	शनि	28/08/2073	बुध	10/09/2090	केतु	24/05/2107	शुक्र	27/07/2122
शनि	10/12/2058	बुध	04/12/2075	केतु	19/10/2091	शुक्र	24/03/2110	सूर्य	02/12/2122
बुध	28/06/2061	केतु	09/11/2076	शुक्र	19/12/2094	सूर्य	29/01/2111	चंद्र	03/07/2123
केतु	17/07/2062	शुक्र	11/07/2079	सूर्य	01/12/2095	चंद्र	29/06/2112	मंगल	29/11/2123
शुक्र	17/07/2065	सूर्य	28/04/2080	चंद्र	01/07/2097	मंगल	26/06/2113	राहु	14/12/2124
सूर्य	10/06/2066	चंद्र	28/08/2081	मंगल	10/08/2098	राहु	14/01/2116		00/00/0000
चंद्र	10/12/2067	मंगल	04/08/2082	राहु	17/06/2101	गुरु	20/04/2118		00/00/0000
मंगल	28/12/2068	राहु	28/12/2084	गुरु	29/12/2103	शनि	29/12/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 0 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।